स्वास्थ्य मंत्री ने किया विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

अस्पताल में केन्द्रीय पशु आवास भवन का शिलान्यास, एलपीएम मशीन का उद्घाटन

(आज समाचार सेवा)

पटना। आईजीआइएमएस में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के द्वारा विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन किया है। इसके साथ ही संस्थान में केन्द्रीय पशु आवास भवन का शिलान्यास किया गया। केन्द्रीय पशु आवास भवन में विभिन्न जानवरों पर शैक्षणिक शोध किया जाएगा, ताकि बिमारियों के ईलाज में नई दवा का खोज किया जा सके।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री पांडेय ने कहा कि आईजीआईएमएस में उच्च गुणवत्ता के साथ ईलाज व शोध की कड़ी में ये सारे काम किये जा रहे है। इसका सीधा फायदा राज्य के गरीब मरीजों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आईजीआइएमएस अब कोविड से लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अस्पताल में सभी सुविधाएं उपलब्ध है। किसी चीज की कमी नहीं है। अस्पताल में पीएसए अथवा लिक्वड नाईट्रोजन प्लांट पूरी व्यवस्था कर दी गई है।

अस्पताल के अधीक्षक डा.मनीष मंडल ने कहा कि फॉरेन्सिक मेडिसिन

विभाग में शव गृह का जीर्णोधार कर नवीनीकरण किया गया। अब यहां एक बार में दस शवों को वातानुकुलित कर कई दिनों तक रखा जा सकता है। इसके अलावा एक हजार एलपीएम के दो ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन भी किया गया। जो कि पीएम केयर के अंतर्गत डीआरीओ की देखरेख में एलएनटी द्वारा बनाया गया है। इसकी लागत लगभग 1.2 करोड़ की प्रति प्लांट है। ये दो प्लांट अस्पताल के वार्ड ब्लाक एवं ऐनेक्सी वार्ड ब्लॉक में निर्बाध रूप से चौबीस घंटे ऑक्सीजन की सप्लाई करेगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में महिला छात्रावास का भी जीर्णोधार एवं नवीनीकरण 1.6 करोड़ की लागत से किया गया है। इनमें सौ बेड की मेडिकल छात्राओं की रहने की व्यवस्था के साथ-साथ उनके खेलकूद व खानपान की भी पूर्ण व्यस्था की गई है। उन्होंने बताया कि माइक्रोबायोलॉजी विभाग में एनलीए मशीन का भी उद्घाटन हुआ है। इस मशीन से ड्रग रजिस्टेंट टीबी के बारे में पता चलता है कि किस टीवी के मरीज में कौन-सी टीबी की दवा चलेगी।

अस्पताल के निदेशक डा.एनआर विश्वास ने कहा कि हमारी कोशिश यह है कि मरीजों को उच्च गुणवत्ता के साथ बेहतर इलाज की हर व्यवस्था सस्ते दर पर अस्पताल द्वारा मुहैया करायी जाएं। मौके पर अस्पताल के उपनिदेशक डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा.रंजीत गुहा, डा.कृष्ण गोपाल, डा.अमन कुमार, डा.नम्रता कुमारी, डा.शैलेन्द्र सिंह, डा.राकेश कुमार सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे।

नई दवाओं की खोज के लिए पशुओं पर होगा परीक्षण

आईजीआईएमएस

पहल

- 2.4 करोड़ की लागत से दो नए ऑक्सीजन प्लांट के शुरू हुए
- मरीजों को 24 घंटे ऑक्सीजन की आपूर्ति हो सकेगी

पटना | वरीय संवाददाता

आईजीआईएमएस में पशुओं पर नई दवाओं का परीक्षण का रास्ता साफ हो गया है। जल्द ही यहां केंद्रीय पशु आवास गृह का निर्माण पूरा हो जाएगा।

शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पशु आवास गृह का शिलान्यास किया। उन्होंने दो ऑक्सीजन प्लांट, एक एसी शव गृह का भी उद्घाटन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आईजीआईएमएस में अब मरीजों को ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। वहीं दूसरी ओर शवगृह में लंबी अवधि तक 10 शवों को सुरक्षित रखा जा सकेगा। इस अवसर पर उन्होंने टीबी मरीजों के इलाज के लिए लगाए गए एलपीए मशीन का भी उद्घाटन किया। बिहार में यह चौथी एलपीए मशीन है। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. एनआर विश्वास, अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल, डॉ. कृष्ण गोपाल, उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा, नम्रता कुमारी व अन्य कई चिकित्सक मौजूद थे। डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि पशु आवास गृह में रखे जाने वाले जानवरों पर मेडिकल छात्र परीक्षण करेंगे। इन पर नई दवाओं का परीक्षण भी होगा।

आईजीआईएमएस में पशु आवास गृह के शिलान्यास में पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय। इस दौरान उन्होंने ऑक्सीजन प्लांट, एक एसी शव गृह का भी उद्घाटन किया।

प्रभात खबर
पटना, रविवार 6.02.2022 03

पांच सुविधाओं का किया गया उद्घाटन

अब रिसर्च के लिए चूहे गिलहरी व खरगोश रहेंगे आइजीआइएमएस में ही

नयी सुविधाओं का उद्घाटन करते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय.

संवाददाता ▷ पटना

आप जो दवा खा रहें वह कितनी कारगर है, दवा का साइड इफेक्ट तो नहीं होगा, कौन-सी दवा का किस बीमारी में सही इस्तेमाल होगा. इन सब की जानकारी के लिए आइजीआइएमएस के फॉरेंसिक व फार्माकोलॉजी विभाग की ओर से रिसर्च जारी है. रिसर्च के लिए चूहे, गिलहरी, खरगोश, बिल्ली, आदि छोटे जानवरों को पहले दवाएं दी जाती हैं. ऐसे में रिसर्च का दायरा बढ़ाने के लिए संबंधित जानवरों के परिसर में ही रहने का इंतजाम किया जायेगा. इसके लिए शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने केंद्रीय पशु आवास भवन का शिलान्यास किया. संबंधित भवन दो मंजिला होगा, जो अगले डेढ साल के अंदर बन कर तैयार हो जायेगा. इसके बाद यहां काफी संख्या में रिसर्च के लिए जानवर एक साथ परिसर में ही रह सकेंगे.

पांच नयी सुविधाओं का उद्घाटन : शिलान्यास के अलावा स्वास्थ्य मंत्री ने पांच नयी सुविधाओं का उद्घाटन किया. इसमें फॉरेंसिक विभाग में शव गृह, दो ऑक्सीजन प्लांट, महिला छात्रावास, टीबी मरीजों की जांच के लिए माइक्रोबायोलॉजी विभाग में एलपीए मशीन सहित पांच नयी सुविधाओं का उद्घाटन किया गया.

घंटे भर में पता चलेगा टीबी है या नहीं

आइजीआइएमएस के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ मनीष मंडल ने बताया कि 1.6 करोड़ रुपये की लागत से महिला छात्रावास का जीर्णोद्धार किया गया. प्रति प्लांट 1.2 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है. उन्होंने बताया कि संस्थान में टीबी मरीजों के इलाज की आधुनिक सुविधा उपलब्ध है. ऐसे में अब एलपीए मशीन के आ जाने से समय पर लक्षण का पता चल जायेगा. जबकि अब तक टीबी के लक्षण जांचने के लिए एक से तीन दिन का समय लगता था. नयी मशीन से यह मशीन घंटे भर में जांच कर टीबी के लक्षणों को बता देगी. कार्यक्रम के मौके पर विधायक संजीव चौरसिया, संस्थान के निदेशक डॉ एनआर विश्वास सहित अस्पताल के सभी डॉक्टर आदि लोग मौजूद थे.

वहीं उद्घाटन भाषण में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोरोना आदि गंभीर मरीजों की मौत के बाद परिजनों को शव तत्काल ले जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था. लेकिन शव गृह बन जाने से अब शव को गृह में रहने के लिए जगह मिल जायेगी.

Minister lays stone for animal house at IGIMS

2 More Pressure Swing Adsorption O_2 Generating Plants Made Functional

VK Tripathi

Pramod Sharma

The health minister opened a storehouse-cum-workshop for the engineering section of the institute for repair and maintenance of machines, furniture, and electrical appliances

Patna: Health minister Mangal Pandey on Saturday laid the foundation stone for construction of an animal house at IGIMS for the purpose of medical research. Animal house is mandatory as per the National Medical Commission guidelines for all medical colleges.

At IGIMS, it will have rats, rabbits, monkeys, wild pigs and those other varieties required by the medical researchers for trial of drugs and their effect on animals' genetic makeup.

Describing it as a great initiative, Pandey said the state government has regularly been working to strengthen the health system in medical colleges to primary health centres and now has moved to promote medical research at IGIMS. Trial on animals could lead to new findings on drugs and their effects, he said.

The minister also inaugurated two PSA oxygen plants there, each of 1000 LPM capacity, installed under PM CARES Fund. He said these plants would make IGIMS wholly self-dependent for its total oxygen requirement.

Pandey also inaugurated the renovated forensic medicine department and the developed mortuary with deep freezer facility for preservation of ten bodies at a time.

IGIMS medical superintendent Dr Manish Mandal said the existing mortuary had space for preserving four bodies only and it appeared insufficient in case of larger number of casualties and delay in receiving the bodies by their kin for any reasons.

The Covid waves had witnessed several casualties in a day, thus creating problems for the IGIMS administration to preserve the bodies in proper conditions.

The health minister also inaugurated a line probe assay machine in the microbiology department. He said this machine would prove very useful in testing of drug resistant TB samples by revealing the most suitable drug with assured recovery within lesser periods.

Dr Mandal said the animal ethical committee has already approved it at IGIMS and veterinary doctors and staff have been recruited for proper upkeep of the animals. The genome sequencing lab of the institute would also coordinate in the research work by carrying out investigations on the genome of test animals.

The minister also inaugurated a storehouse-cum-workshop for the engineering section of the institute for repair and maintenance of machines, furniture and electrical appliances.

IGIMS director Dr NR Biswas, deputy director Dr VP Sinha, principal Dr Ranjit Guha and others were also present on the occasion.

शासन-प्रशासन
दैनिक भास्कर, पटना, रविवार, 06 फरवरी, 2022
dainikbhaskar.com

5 करोड़ की मिली स्वीकृति, अलग-अलग विभागों के लिए मेंटेनेंस पर किया जाएगा खर्च, हॉस्टल में 100 बेड की व्यवस्था

आईजीआईएमएस की सूरत बदलने को खर्च होंगे ₹7.12 करोड़

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) पटना के रिपेयर व मेंटिनेंस पर 7.12 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएंगे। संस्थान की ओर से अलग-अलग विभागों के रिपेयर के लिए बजट बनाकर विभाग को सौंपा गया था इनमें से 5 करोड़ रुपए खर्च करने की स्वीकृति विभाग ने दे दी है। शेष राशि का वहन संस्थान अपने आंतरिक स्त्रोत से करेंगे। योजना के अनुसार नर्सिंग कॉलेज पर 10 लाख रुपए, मेडिकल कॉलेज पर 15 लाख खर्च किए जाएंगे। स्टेट कैंसर इंस्टिट्यूट पर 22 लाख रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा अन्य विभागों पर खर्च किए जाएंगे। एनेस्थेसियोलॉजी विभाग पर सबसे अधिक 65 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। ईएनटी पर 35 लाख, इमर्जेंसी व ट्रॉमा यूनिट पर 45 लाख रुपए खर्च होंगे। रेडियोलॉजी विभाग के लिए 52 लाख रुपए खर्च का एस्टीमेट बनाया गया है। कुल 7 करोड़ 12 लाख 50 हजार रुपए का बजट अलग-अलग विभागों के लिए बनाए गए हैं। संस्थान को कार्यों की स्वीकृति शासी निकाय से प्राप्त करना आवश्यक होगा। किसी भी अन्य योजना से प्रारंभ की गई, कार्य को इस राशि से पूरी नहीं की जाएगी।

टीबी की जांच के लिए लगी मशीन, शवगृह का होगा जीर्णोद्धार

पटना| आईजीआईएमएस में शनिवार से और पांच नई सुविधाओं का उद्घाटन और एक योजना का शिलान्यास राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने किया। उन्होंने कहा यहां टीबी जांच के लिए एलपीए मशीन लगाई गई है। यह बिहार के सरकारी अस्पताल में चौथी मशीन है। टीबी के मरीज को मशीन बता देगी उसे कौन सी दवा चलेगी। संस्थान में शव को एसी शवगृह में रखने की व्यवस्था की गई है।

आईजीआईएमएस में मशीन का उद्घाटन करते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय।

मंत्री ने कहा कि आईजीआईएमएस में ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। यहां अब पीएसए (लिक्विड नाइट्रोजन प्लांट) मशीन की व्यवस्था कर दी गई है। संस्थान के निदेशक डॉ. एनआर विश्वास ने कहा कि अपने कार्यकाल में कोशिश की मरीजों को उच्च गुणवत्ता के साथ बेहतरीन इलाज व्यवस्था सस्ते दर पर मुहैया कराई जाए। यहां गर्ल्स हॉस्टल, माइक्रोबायोलॉजी विभाग का एलपीए लैब, शवगृह भवन, पीएसए आधारित ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र, अभियंत्रण शाखा का भंडार भवन का उद्घाटन हुआ।

केंद्रीय पशु आवास भवन का हुआ शिलान्यास

केंद्रीय पशु आवास भवन का शिलान्यास स्वास्थ्य मंत्री ने किया। यहां अब पीएसए (लिक्विड नाइट्रोजन प्लांट) मशीन की व्यवस्था कर दी गई है। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. मनीष मंडल के मुताबिक केंद्रीय पशु आवास भवन का शिलान्यास हुआ। इस भवन में रिसर्च के लिए विभिन्न पशुओं को रखा जाएगा। यह भवन जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा। जानवरों पर शैक्षणिक शोध किया जाएगा ताकि बीमारियों के इलाज में नई दवा का खोज किया जा सके।

दो ऑक्सीजन प्लांट से 24 घंटे मिलेगी सप्लाई

फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग में शवगृह का जीर्णोद्धार कर नया बनाया गया है। अब यहां एक बार में दस शवों को कई दिनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है। एक एक हजार एलपीएम के दो ऑक्सीजन प्लांट उद्घाटन हुआ। एक प्लांट पर 1.2 करोड़ की लागत आई है। इससे 24 घंटे ऑक्सीजन सप्लाई होगा। वहीं महिला छात्रावास के निर्माण 1.6 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। हॉस्टल में 100 बेड की व्यवस्था है। इसके अलावा माइक्रोबायोलॉजी विभाग में लाइन प्रोब एस्से (एलपीए) मशीन का भी स्वास्थ्य मंत्री ने उद्घाटन किया।

गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा के साथ हो रहे महत्वपूर्ण शोध

जानवरों पर होगा शैक्षणिक शोध

प्रभात खबर
पटना, रविवार 6.02.2022 03

पांच सुविधाओं का किया गया उद्घाटन

अब रिसर्च के लिए चूहे, गिलहरी व खरगोश रहेंगे आइजीआइएमएस में ही

नयी सुविधाओं का उद्घाटन करते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय.

घंटे भर में पता चलेगा टीबी है या नहीं

Minister lays stone for animal house at IGIMS

2 More Pressure Swing Adsorption O_2 Generating Plants Made Functional

VK Tripathi

Patna: Health minister Mangal Pandey on Saturday laid the foundation stone for construction of an animal house at IGIMS for the purpose of medical research. Animal house is mandatory as per the National Medical Commission guidelines for all medical colleges.

At IGIMS, it will have rats, rabbits, monkeys, wild pigs and those other varieties required by the medical researchers for trial of drugs and their effect on animals' genetic makeup.

Describing it as a great initiative, Pandey said the state government has regularly been working to strengthen the health system in medical colleges to primary health centres and now has moved to promote medical research at IGIMS. Trial on animals could lead to new findings on drugs and their effects, he said.

The minister also inaugurated two PSA oxygen plants there, each of 1000 LPM capacity, installed under PM CARES Fund. He said these plants would make IGIMS wholly self-dependent for its total oxygen requirement.

Pandey also inaugurated the renovated forensic medicine department and the developed mortuary with deep freezer facility for preservation of ten bodies at a time.

IGIMS medical superintendent Dr Manish Mandal said the existing mortuary had space for preserving four bodies only and it appeared insufficient in case of larger number of casualties and delay in receiving the bodies by their kin for any reasons.

The Covid waves had witnessed several casualties in a day, thus creating problems for the IGIMS administration to preserve the bodies in proper conditions.

The health minister also inaugurated a line probe assay machine in the microbiology department. He said this machine would prove very useful in testing of drug resistant TB samples by revealing the most suitable drug with assured recovery within lesser periods.

Dr Mandal said the animal ethical committee has already been approved it at IGIMS and veterinary doctors and staff have been recruited for proper upkeep of the animals. The genome sequencing lab of the institute would also coordinate in the research work by carrying out investigations on the genome of test animals.

The minister also inaugurated a storehouse-cum-workshop for the engineering section of the institute for repair and maintenance of machines, furniture and electrical appliances.

IGIMS director Dr NR Biswas, deputy director Dr VP Sinha, principal Dr Ranjit Guha and others were also present on the occasion.

Pramod Sharma

The health minister opened a storehouse-cum-workshop for the engineering section of the institute for repair and maintenance of machines, furniture, and electrical appliances